फैण्टम और नशीला नगाड़ावादन

…और हर जगह…
बूम बूम बूम
लेकिन दुनिया भर में टिम्पैनी जैसे महान नगाड़े कहीं नहीं सुने जाते!
बूम बूम-बूम-बूम
टिम्पैनी टेकाली तट के पास छोटा सा द्वीप… यहाँ के नगाड़े बहुत मशहूर थे…
बूम बूम बूम बूम बूम
कहते हैं कई वर्ष पहले उनका नगाड़े का जादू बेबस कर देता था.
बूम बूम बूम
उनके नगाड़ों की आवाज जंगलियों को खींच कर द्वीप पर ले आती थी. उनको भी जो तैरना नहीं जानते थे.
जो तैर कर बच जाते थे, उन्हें द्वीप पर पहुँचते ही लूट लिया जाता था. और गुलामी के लिए बेच दिया जाता था.
टिम्पैनी के कुटिल नगाड़ों से तंग आकर जंगलियों ने उन पर आक्रमण किया.
उनके अचानक हमले ने टिम्पैनी वालों को परास्त कर दिया. उन्होंने सारे नगाड़े वादकों को मार डाला.
…और उनके जादुई नगाड़े जला डाले…

...इस हत्या कांड में सिर्फ दो ही बचे... एक आदमी और उसका पुत्र और उनका नगाड़ा
टिम्पैनी के नगाड़ा वादकों और नगाड़ों का खात्मा कर...
...जंगली लोग विजयी होकर लौटे-
अब टिम्पैनी के नगाड़े परेशान नहीं करेंगे- सब खत्म हो गए!
लेकिन वे गलत सोच रहे थे- एक नगाड़ा वादक अपने पुत्र और नगाड़े के साथ बच गया था...
एक दिन तुम हमारा बदला लेना!
कई वर्षों बाद...
बचपन में मैंने इस टिम्पैनी की लड़ाई के बारे में सुना था।
यह सब बहुत भयंकर था, लेकिन वे इसी के काबिल थे- बुरे आदमी।
एक गुफा में छिपे... टिम्पैनी का वह भागा हुआ व्यक्ति और उसका पुत्र...
गुफा का दरवाजा मिट्टी और चट्टानों से बंद कर लिया था, जिससे आवाज बाहर न जाये-
बूम बूम
टिम्पैनी के महान नगाड़ों का वह जादुई वादन, पिता अपने पुत्र को सिखाता है-
उन्होंने हमें खत्म किया- तुम उनको मारना!
तुमने सब कुछ सीख लिया- तुम मुर्दे को भी चला सकते हो! जाओ और हमारा बदला लो!

आओ बेटे
और टिम्पैनी के
नगाड़ावादकों का बदला लो!
मुख्य
भूमि पर...
अपना भारी नगाड़ा उठाने के लिए मुझे एक गधा चाहिए!
क्या तुम्हारे पास धन है गधा खरीदने के लिए?
धन तो नहीं है!
इस पर भी चाहते हो कि मैं तुम्हें गधा दूं?
हां, मैं समझता हूं कि तुम गधा मुझे दोगे!
पागल हो क्या...? भाग जाओ!
तुम्हारे पास धन नहीं है! मैं तुम्हें गधा दूं...? किस खुशी में?
मैं तुम्हें एक धुन सुना दूंगा!

धुन... नगाड़े पर?
हां... कई धुनें!
लगता है... तुम्हारे दिमाग पर गर्मी चढ़ गई है! मैं तुम्हारी धुन सुनूं... और तुम्हें गधा दे दूं...? मूर्ख कहीं का!
बूम बूम!
सुना है, कि टिम्बेनी नगाड़ों की धुन अनूठी होती है...
बूम बूम
वैसी ही जादुई धुन टिम्बेनी बाली...
बूम
बूम
बूम बूम
अब तुम एक गधा लाओगे, और खाना भी!
हां!
तुमने उसे गधा दिया है... भला क्यों?
म... मुझे मालूम नहीं... मैं...
बहुत पैसे दिए थे उस गधे के लिए... और तुमने उसे यूं ही दे दिया!
शायद मेरा दिमाग खराब हो गया था. मेरी बंदूक कहां है?

मेरा गधा वापस करो... रुको, भागो मत... नहीं तो गोली मार दूंगा!
उतरो मेरे गधे से... नहीं तो!
तुमने खुद ही दिया था यह मुझे!
तब धीरे से वह नगाड़ा बजाता है ...
अपने आप दी हुई चीज वापस नहीं ली जाती...
धम! धम! धम!
मुझे एक नौकर और पहरेदार की जरूरत है! तुम मेरे पीछे-पीछे चलोगे!
धम धम
तुम कहां जा रहे हो?
?
वह औरत अपने पति से पूछती है...
नगाड़े की आकर्षक धुन...
वह मेरे साथ जाएगा!
मुझे उसके साथ जाने दो!

सुबुक... सुबुक...
भुम भुम भुम
उस आदमी ने मेरे पति और गधे का अपहरण कर लिया!
??
?
तुम्हारे पति का अपहरण? उसके पास तो बंदूक भी थी!
उसका अपहरण कौन कर सकता है?
झूठ बोलती है यह!
धुन में जादू है, जैसे कि मेरे पिता ने कहा था.
वह आदमी नगाड़े बंदूक का आज्ञाकारी सेवक बन गया था— टिम्पैनी की नगाड़ा धुनों में जादुई प्रभाव था.
और फिर जंगल से गुजरते हुए...
...एक शेर उनके रास्ते में आता है...
बंदूक नहीं!
?!

वह शेर न भूखा है न जल्दी में है...
उत्सुकतापूर्वक शेर उन्हें देखता है...
और बहुत धीमी आवाज में नगाड़े की धुन फिर बजती है...
बूम बूम बूम बूम बूम
धुन के साथ ही वह हिंसक जीव यूं नाचता है... मानों बिल्ली का बच्चा हो.
बूम! बूम! बूम! बूम बूम बूम बूम बूम बूम
अपने नगाड़े की मादक ध्वनि से टिम्बैनी का वह नगाड़ा वादक शेर को सुला देता है.
क्या यह मर गया?
नहीं... सो रहा है!
मेरे पिता ने कहा था कि यह धुन आदमी और जानवरें दोनों पर प्रभावशाली रहेगी
अब देखूं, कई आदमियों पर यह एक साथ कैसे प्रभाव डालती है?
बूम बूम बूम बूम
फैंटम घोड़े पर सवार जंगल के किनारे आता है...
सुबक-सुबुक-
?

...और वह गधा ले गया. मैं कसम खाकर कहती हूं मेरा पति अपनी इच्छा से उसके पीछे नहीं गया!
मैंने रोकने की बहुत कोशिश की.
LIVESTO
...उसने मुझे धक्के से गिरा दिया. मैंने अपने पड़ोसियों से कहा तो वे हंसने लगे- मेरी मदद करो ओ चलते फिरते प्रेत!
STOCK
अ... अगर वह मुझे मिला तो देखूंगा!
?
उस औरत ने अजीब सी कहानी सुनाई अपने पति और गधे की- बड़ी बेतुकी सी बात है!
?
शेर अजीब सी जगह सो रहा है... सड़क के मध्य में...
वह रहे वे!
वह आदमी आराम से गधे के पीछे चल रहा है! एक बंदूक लिए... इसी का अपहरण किया गया है?
उस औरत की कहानी में कोई तुक नहीं है! लेकिन मैं उससे वायदा कर आया हूं!

रूको!
और फैंटम का सामना होता है टिम्पेनी के विचित्र नगाड़ा वादक से.
नगाड़ा वादक ने फैंटम का नाम सुना हुआ था.
तोडी, तुम्हारी पत्नी ने मुझे बताया कि इस आदमी ने तुम्हारा अपहरण किया है, क्या यह सच है?
लेकिन उसे अपने नगाड़े की शक्ति पर इतना विश्वास नहीं था.
तोडी! इसे सच बता दो कि, मैंने तुम्हारे गधे के लिए पूरा भुगतान किया है.
"कि वह फैंटम की आग उगलती पिस्तौल के...
इसे बता दो कि अपनी इच्छा से तुम काम करने को राजी हुए हो!
"सामने भी प्रभावशाली रहेगा.
इसे बता दो कि तुम अपनी पत्नी को छोड़ना चाहते हो!
जैसा इसने कहा... इसने पूरा धन दिया था मुझे... और पत्नी को छोड़ कर अपनी मर्जी से इस काम के लिए राजी हुआ हूं!
जानकर मुझे अफसोस हुआ! लेकिन यह मेरा काम नहीं कि बिगड़ी शादी को बनाऊं! तुम लोग जाओ!
और जितनी तेजी से वह आया था- उतनी ही तेजी से चला गया...

... क्योंकि फैंटम ज़्यादा देर रुका नहीं...
हम फिर मिलेंगे ओ चलते-फिरते प्रेत! तब मैं भी तैयार हो जाऊंगा
मैं महान नगाड़ा वादक हूं! और काम की तलाश में हूं. मैं शादी, युद्ध इत्यादि में नगाड़ा बजाता हूं!
?
हैं हमारे पास नगाड़ा-वादक! भाग जाओ!
हा हा हा हा हा हा! हा हा!
महान नगाड़ा वादक... पहले घोड़े पर चढ़ना सीखो!
ज़रा देखो तो कैसे भागा!
अपने गधे से तो यही बड़ा है!
होआ! होआ!

वे मुझे अन्दर नहीं आने देना चाहते अब वही मेरे पास आएंगे!
वाम्बेसी गांव में...
गधे को इस पर सवारी करनी चाहिए.
अपने आपको महान नगाड़ा वादक बताता है.
हो-हा हो-हा...
धीरे-धीरे टिम्पैनी महान नगाड़ा बजाता है...
वे मुझ पर हंसते हैं... दुखद स्थिति है! क्यों तोडी?
बूम बूम
...एक शोकपूर्ण ध्वनि लोगों को जादुई रूप में आकर्षित करती है...
बूम बूम बूम बूम बूम
बूमOM
...जैसे शमा परवाने को...
बूम बूम बूम
...वाम्बेसी के लोग खिंचे चले आते हैं...
बूम बूम बूम बूम
कई रोने लगते हैं, क्योंकि इतनी शोकपूर्ण धुन उन्होंने पहले कभी नहीं सुनी थी... टिम्पैनी के नगाड़े की धुन...
बूम बूम बूम

बाम्बेसी का राजा भी वह धुन सुन कर रोने लगता है...
बम
बूम
बूम
ध्वनि आन्दोलन से प्रभावित होकर बड़े भी विलाप करते हैं...
बूम
बूम
...यह एक विलापपूर्ण शोक धुन थी, जो मृत योद्धा और बिछुड़े प्रियजनों की याद में बजाई जाती थी. इसका प्रभाव बहुत गहरा पड़ता था...
उस धुन को सुन कर पूरा गांव रोता है...
बूम बूम-बूम
अचानक धुन बदली... प्रसन्न चित्त, खुशी वाली...
खुशी... खुशी...
बूम
बूम
बूम
बूम
...आंसू सूख गए... मुस्काने वापस आ गई... और फिर हंसी के ठहाके... टिम्बेनी के नगाड़ा वादक का जादू...
बूम-
आनन्द... आनन्द आनन्द!
बूम-बूम
खुशी! खुशी!
मस्ती... हंसी के ठहाके हर चीज मजेदार...
खुशी ही खुशी!
बूम बूम

अचानक धुन बदली... एक बुरी धुन...
बूम
घृणा... घृणा...
बूम बूम
हंसी खत्म हो गई... कभी गुस्सा- और कभी घृणा का भाव- हर एक के लिए...
बूम बूम
घृणा... घृणा... घृणा!
बूम बूम बूम
अब टिम्पैनी के नगाड़ा वादक की धुन उनमें युद्ध की भावना भरती है...
बूम बूम बूम
घृणा... घृणा...!
रुको!
बूम बूम
जो कुछ मेरे पिता ने कहा था, वह सत्य है. अपने नगाड़े के सहारे मैं कुछ भी कर सकता हूं!
सकते में पड़े वाकेसी वासी उस नगाड़े की मीठी धुन पर मोहित हैं...
बूम- बूम बूम
मित्रता की घोषणा करती हुई...
मैं तुम्हारा मित्र हूं... तुममें से ही एक...

और इस प्रकार वाम्बेसी के निवासी मंत्रमुग्ध हैं...
मैं तुम्हें धन और समृद्धि दूंगा!
मैं नगाड़ा वादकों में सर्वश्रेष्ठ हूं! तुम्हें मुझ पर गर्व होना चाहिए। दूसरों पर रौब गांठना चाहिए।
वाम्बेसी गांव में वह नगाड़ावादक विजेता की भांति
विचरण करता है...
यह हममें से एक है!
हमें इस पर गर्व है!
नगाड़ा वादकों में सर्व श्रेष्ठ!
बूम
यह झोंपड़ी नहीं...बड़ी चाहिए...वह...सबसे बड़ी!
हां...फिलहाल यह राजा का निवास ही ठीक है!
वाम्बेसी के लोग नशाग्रस्त से हो जाते हैं। चेहरों पर मुस्कान और सूनी-सूनी आंखें।
तुम्हारे अन्दर प्रसन्नता भरी है
वह नगाड़ों से मीठी धुन सुनाता है...
तुम्हारे अंदर प्रसन्नता भरी है!
वे उसके चारों ओर मुग्ध से खड़े रहते हैं। उनके दिमाग उसके काबू में हैं, उस टिम्पैनी नगाड़ावादक के।
तुम मुझसे प्रेम करते हो...तुम सब वही करोगे जो मैं कहूंगा
मैं तुम्हारे लिए धन लाऊंगा...

यह वाम्बेसी-वासी ल्लोंगो और अन्य जातियों के साथ मेरे घर पर आए थे- जब मैं बच्चा था...
"...और टिम्बौनी के सब नगाड़ा वादक मारे गए थे, सिवाय मेरे पिता के..."
"और इन्होंने हमारे नगाड़े जला दिए थे..."
...सिवाय जो मेरे पास है! मैं अपने लोगों का बदला लूंगा... यही मेरा लक्ष्य है.
भोर होते ही टिम्बौनी का नगाड़ा बजने लगा.
बूम बूम
!?
बूम
!!
बूम
?!
!!
बूम
क्योंकि यह एक युद्ध नृत्य की धुन थी.
बूम-बूम
टिम्बौनी का नगाड़ा वादक एक उन्मादित युद्ध नित्य धुन बजाता है...
ल्लोंगो जाति वाले नीच हैं. वे हमारी धन सम्पति लूटते हैं धोखा करते हैं.
लूटो
मरो
बूम
बूम

ल्लोंगो को मारो!
बूम
बूम
ल्लोंगो पर चढ़ाई कर दो. मार डालो!
टिम्बेनी का महान नगाड़ा वादक.
कई वर्षों से, फैंटम कानून के अन्तर्गत जंगल में पूर्ण शांति थी. युद्ध नहीं होते थे.
लेकिन टिम्बेनी के नगाड़ा वादक द्वारा उकसाए जाने पर... युद्ध शुरू...
ल्लोंगो-वासियों को मारो
ल्लोंगों के योद्धा आक्रमणकारियों को देखते हैं. साल में युद्ध-कभी नहीं
कौन हैं ये लोग?
वाम्बेसी के योद्धा लगते!
बूम-बूम-बूम-बूम-बूम.
वाम्बेसी के योद्धा पहाड़ी पर चढ़ जाते हैं.
मारो... काटो!!
ल्लोंगो वासी भी तैयार हैं. और युद्ध शुरू होता है...

आक्रमणकारी बाम्बेसियों के लिए ल्लोंगो लोग भी काफी हैं- वे उन्हें हरा कर भगा जाते हैं...
कायरो...क्यों पीठ दिखा रहे हो?
वे बहुत हैं!
वहीं रुको, और तैयार रहो! मैं अकेला ही उनका सामना करूंगा!
विजयी ल्लोंगो बाड़ी से बाहर निकल आते हैं- बाम्बेसियों को परास्त कर उनके पीछे भागते हैं.
अचानक वे रुके...यह क्या? शस्त्र रहित नगाड़ा वादक...?
बूम-
बूम
बूम
बूम
बूम
अब भयानक नगाड़ा ध्वनि उनके कानों में पड़ती है
यह बाम्बेसीवासी नहीं है!
बूम बूम बूम
खतरा! सावधान खतरा सावधान
टिम्बोनी का नगाड़ा बजता है...
ल्लोंगो जातिवाले अचानक हुए खतरे से सकते में पड़ जाते हैं

और डरपोक खरगोशों की तरह हर तरफ भाग जाते हैं।
वाम्बेसीगण इसी प्रतिक्षा में थे वे ल्लोंगो वासियों पर टूट पड़ते हैं।
विजयी वाम्बेसी वासियों ने ल्लोंगो गांव को लूट लिया...
एक अन्य नगाड़ा वादक ल्लोंगोवासी एक साधारण नगाड़े के साथ बच निकलता है...
वाम्बेसियों ने ल्लोंगो वासियों पर आक्रमण कर फैंटम शांति को भंग किया है...
... यह आवाज घाटी से खोपड़ी नुमा गुफा तक पहुंचती है--
वाम्बेसी का ल्लोंगो पर आक्रमण
!
उस ढोलक द्वारा प्रसारित संदेश खोपड़ी नुमा गुफा तक पहुंचा--
वाम्बेसी और ल्लोंगो दोस्त हैं! जंगल में कई वर्षों से कोई युद्ध नहीं हुआ फिर यह कैसे?
क्या हुआ?
ल्लोंगो गांव में लूट पाट हारे हुए को बंदी बनाया गया...
वाम्बेसियों के दास!

वाम्बेसियों के गांव में विजय महोत्सव!
बम छम बम!
दूसरे दिन फैंटम हारे हुए ल्लोंगो के गांव में पहुंचा...
...जहां सिर्फ गिने चुने औरतें और बच्चे बचे हैं.
सब लोग कहां गये?
धीरे-धीरे जंगल में बचने के लिए भागे ल्लोंगोवासी वापस आये...
फैंटम... फैंटम!
भयंकर थी यह सब!
वह नगाड़ावादक
जघन्य... हत्याकाण्ड!
लेकिन तुम और वाम्बेसीवासी तो पुराने मित्र हो!
पहले तो हम उन पर भारी पड़े! और उन्हें मार भगाया!
यही हम सोचते थे... परन्तु रात में पागलों की तरह उन्होंने हम पर आक्रमण किया!
फिर अचानक वह नगाड़ा वादक आया- और हम डर गए! हम घबड़ा कर भागे- और हत्या-काण्ड शुरू हो गया!
वे हमारे बेहतरीन युवकों को दास बनाकर ले गए!
वाम्बेसी दास नहीं बनाते हैं!
मैंने उन्हें दास कहते सुना था!

उस नगाड़ावादक के आते ही तुम लोग भाग गए? कौन है वह?
वह लम्बा और पतला था. वाम्बेसीवासी नहीं था.
लेकिन तुम सब भागे क्यों? तुम ज्यादा ताकतवर हो!
पता नहीं क्या हुआ? हम अचानक भयभीत हो गए.
गधे पर सवार लम्बा नगाड़ा वादक... वही होगा वह.
इस बीच टिम्बैनी का वह नगाड़ा वादक...
आज हम ओटानबी चलेंगे- मार-काट करने- और दास बनाने और धन छीनने.
बूम
बूम
बूम
छोटे से गांव ओटानबी पर हमला, और रक्तपात- औरतों को दास बनाना- वाम्बेसियों को कोई रोक न सका...
ल्लोंगो वासियो! अब मैं वाम्बेसी आऊंगा.
होशियारी से ओ चलते-फिरते प्रेत! उन पागलपन सवार है!
ल्लोंगोवासी पुराने योद्धा हैं.. ये डर कर क्यों भागे?
बूम
अब वाम्बेसियों को नगाड़े के जादू की जरूरत नहीं- उस नगाड़ा वादक की वह पूजा करते हैं- क्योंकि उसने उन्हें धनी और शक्तिशाली बना दिया था.
कल दूसरी जाति पर हमला- फिर तीसरी पर- तब तक जब तक पूरे जंगल पर हमारा राज न हो जाए.
बूम
बूम
बूम

जब फैंटम सुनेगा तो क्या सोचेगा?
वह हमें दण्डित करेगा!
यह क्या?
चलते-फिरते प्रेत को हमने भुला दिया.
हमने फैंटम द्वारा स्थापित शांति भंग की है.
फैंटम हमें दण्डित करेगा!
मुझे किसी फैंटम से भय नहीं है! मैं ताकतवर हूं... मैं उसे खत्म कर दूंगा! फैंटम की मृत्यु की खुशी में नाचो!
बूम बूम बूम बूम
बूम बूम बूम
तूफान, डोरा! तुम लोग यहीं रुको.
मैं फैंटम को खत्म कर दूंगा! और सारे दुश्मनों को भी... फिर मैं जंगल पर राज करूंगा.
अचानक सन्नाटा छा गया... और सबके सिर घूमने लगे.

अब फैंटम और उसकी आग उगलती पिस्तौल...
नगाड़ा वादक जानता है...यही परीक्षा की असली घड़ी है...
तुम मुझे मारना चाहते हो?
नहीं... मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा!
सुना है तुमने ही वाम्बेसी वासियों को ल्लोंगो जाति पर हमला करने को उकसाया था?
मैं यही सब तुम्हें बताना चाहता हूं! तुमको जानकर खुशी होगी.
तुम क्या बताओगे?
यह मेरी गलती नहीं थी महाबली फैंटम, मैंने कुछ मीठी धुनें ही बजाई थीं-ऐसे!
बम-बम
फैंटम को नगाड़ा शक्ति का आभास नहीं है!
प्यारी धुनें! जो किसी का अहित नहीं चाहतीं जैसे यह...
?
बुम-बुम
अब चेतन रूप में धुनों का प्रभाव पहुंचता है!
प्यारी मीठी धुनें...ऐसी...!
बूम बूम बूम बूम
मैं इनका और तुम्हारा मित्र बनना चाहता हूं!
यह आदमी बुरा तो नहीं है!
फैंटम की कृपा से जंगल शांति का स्थल है मेरा गीत!
बूम बूम बूम बूम

हम सब खुश हैं! आओ सभी मिलकर खुशी से नाचें!
नाचो... खुशी... खुशी...
मंत्र मुग्ध होकर फैंटम सबके साथ नाचता है...मीठी मोहक धुन के प्रभाव से नगाड़े की थाप पर...
और तेज नाचो- खुशी से झूम कर!
बूम-बूम बूम
बूम
?
और तेज... खुशी में...
मैंने उसे भी मस्त कर दिया...सब लोगों की तरह! वह भी मेरे नगाड़े की धुन के कब्जे में है--मैंने फैंटम को जीत लिया!
बूम
बूम बूम
बूम बूम
टिम्पैनी का नगाड़ावादक!
अब रुको! फैंटम को छोड़कर सब दूर चले जाओ... हम सब इसे नाचते हुए देखेंगे!
बूम!
फैंटम...तेज... और तेज... नाचो!
बूम
बूम
वह ऊपर उछलता है, मानों कुहरे से ढका हो...!
बूम
बूम
बूम
बूम
बूम

उस जादुई नगाड़े के प्रभाव में फैंटम असहाय सा नाचता है...
बूम बूम बूम बूम
"जादुई नगाड़ा" बजता ही जाता है.
फैंटम थक गया है... कमजोर पड़ गया है. और गिरने ही वाला है!
बूम बूम
फैंटम उस आवाज को अनसुनी करने का विफल प्रयास करता है. लेकिन वह उस मस्त करने वाली नगाड़ा धुन के प्रभाव
मैं तुम्हारा शासक हूं! अपने घुटनों के बल खिसक कर मेरे पास आओ
फैंटम दुबारा कोशिश करता है इसे अनसुनी करने की-परन्तु नगाड़ा बजना जारी है.
घुटनों पर सरक कर मेरे पास आओ! मैं तुम्हारा शासक हूं!
बूम-बूम-बूम बूम
अपने शासक के पांवों पर झुको फैंटम!
पूरे जंगल को इस घटना की खबर आज रात तक हो जानी चाहिए!
चलते-फिरते प्रेत! तुम इतने कमजोर पड़ चुके हो कि तुम हिल भी नहीं सकते!
बूम बूम बूम बूम

तुम बेहद कमजोर हो! और बूढ़े आदमी हो... सब की भलाई के लिए तुम्हें मर जाना चाहिए!
बूम बूम
तुम कमजोर हो! तुम्हें मरना चाहिए! पुराने शासक को मरना ही चाहिए नए शासक के लिए! यही जंगल का नियम है!
बूम बूम बूम
फैंटम आक्रमण की पूरी कोशिश करता है... लेकिन नगाड़े की धुन उसे तड़पाती रही।
तुम शक्तिहीन हो! तुम हिल भी नहीं सकते!
बूम बूम बूम
तुम्हें मरना ही चाहिए! ताकि मैं तुम्हारी जगह शासक बन सकूं!
बूम बूम
सारे जंगल को मालूम हो जाएगा कि मैंने, नगाड़ा-वादक ने, चलते-फिर प्रेत को मार डाला! और इसकी जगह अब मैं शासक हूं
टिम्बेनी के उस कुटिल नगाड़े की जादुई शक्ति-
बूम बूम बूम बूम
शेरा और तूफान उसे देख रहे थे...
अब फैंटम मरने वाला है! और मैं-नगाड़ा-वादक इस जंगल पर राज करूंगा!
शेरा को लगा कि उनका मालिक खतरे में है...

फैंटम को मरना है!
ग्म्बेसीवासी नगाड़ानाद के प्रभाव में पुतलों के समान खड़े थे।
और अब नगाड़ावादक शेरा से अपनी जान बचाने के प्रयास में है- तूफान अपने मालिक को अलग खींच करने आता है...
शेरा नगाड़ावादक को संभालता है।
बचाओ!
तूफान अपने मालिक को अलग खींच ले जाता है- यद्यपि जानवरों को यह नहीं मालूम होता कि क्या हो रहा है
...लेकिन वह भांप जाते हैं कि उनका मालिक खतरे में है और उसको सुरक्षा चाहिए.
शेरा टिम्बेनी के नगाड़ावादक से जूझ रहा था.
उफ!उफ!

"...अचानक वह ऐसे मुड़ा... मानो कोई इशारा मिला हो.
...और तूफान के साथ अपने मरणासन्न मालिक के साथ जंगल में भागा जाता है...
क्रोधित नगाड़ा-वादक अपने घावों पर पट्टी बाँधता है.
वह ***!! कुत्ता...!
उनका पीछा करो, और फैंटम को वापस लाओ!
बूम
बूम
बूम
बूम
अनिच्छा से... लेकिन नगाड़े के प्रभाव में वे योद्धा उनके पीछे जाते हैं.
बूम
बूम
बूम
बूम
बूम
तूफान और शेरा अपने मालिक को जंगल में ले जाते हैं!
टिम्बेनी नगाड़ा वादक गुस्से से पागल हो रहा था...
फैंटम को वापस लाओ ज़िन्दा या मुर्दा
बूम
बूम
बूम
बूम
बूम
बूम
बूम
वाम्बेसी के योद्धा जंगल में उसके पीछे जाते हैं!

...रोरा और तूफान को लगा कि उनका पीछा किया जा रहा है... वे और तेजी से बीहड़ की ओर भागते हैं...
फैंटम के पीछे पागलपन में भागते, वाम्बेसी वासी रुक जाते हैं, क्योंकि कोई भी योद्धा...
ईईईई
गर्र्र
...आधी रात को जंगल में जाने की हिम्मत नहीं रखता...
हो हो
ईईई
ईईईई
बहुत दूर पानी के छिपे स्रोत पर तूफान अचानक रुकता है!
धपाक
ठंडे पानी में गिरते ही फैंटम को होश आता है।
अभी भी चकराते हुए वह बाहर आता है...
धीरे-धीरे उसे नृत्य की याद आती है...
उफ! क्या हो गया था मुझे?
बूम!
बूम
बूम!
बूम
बूम
ठीक होते ही उसे रात की पूरी बात याद आ जाती है।
बूम
बूम
बूम

इस नगाड़े का ही वह बेसुध कर देने वाला प्रभाव था... जैसे नशे या वशीकरण में होता है!
उस पागल नगाड़ावादक ने तो मुझे मार ही दिया होता... मेरे बच्चो, तुमने ही मेरे प्राण बचाए!
फैंटम हमें नहीं मिला!
जंगल में बहुत अंधेरा था!
कोई बात नहीं! फैंटम को मैंने हरा दिया! तुम सबने तो देखा ही था. अब मैं फैंटम का भी मालिक हूं!
हमने देखा था. तुम ही उसके मालिक हो!
संदेश भेजो कि मैंने फैंटम को खत्म कर दिया... अब मैं यहां का शासक हूं!
खबर फैलती है...
नगाड़ा वादक जंगल का शासक और वाम्बेसी का राजा है... उसने फैंटम को खत्म कर दिया!
नगाड़ों द्वारा संदेश भेजा जाता है!
नगाड़ा वादक वाम्बेसी का राजा- जंगल का नया शासक! उसने फैंटम को खत्म कर दिया!
गांव- गांव होती खबर...
नगाड़ा वादक वाम्बेसी का राजा- जंगल का नया शासक
...और संदेश जंगल में फैलती है...
... नया शासक ...
?

"...बीहड़ वन में भी... और बांड़ाओं के पास भी- वह जहरीले तीरों वाले बौने...
वाम्बेसी का राजा- फैंटम का खात्मा...
चुपचाप बांडारगण नगाड़ों का सन्देश सुनते हैं... और बिना कुछ बोले...
"वे बौने अपने तीखे हथियार संभालते हैं और जंगल में भूतों की तरह फैल जाते हैं... वाम्बेसी की ओर जाते
वाम्बेसियों को कुछ पता नहीं- वह विजय का उत्सव मना रहे थे...
जंगल के नये शासक की जय हो!
वाम्बेसी में विजय का उत्साह...
फैंटम गया! हम जंगल के नये शासक
बूम बूम
बूम बूम
बूम
बूम
बौनों की वह भयंकर जाति जंगल में अदृश्य सी घूमती है...
जंगल के एक दूसरी जगह...
अब हमें वाम्बेसी और नगाड़ा वादक के पास लौट चलना चाहिए!
वाम्बेसी से थोड़ी दूर फैंटम रुकता है, उसे कुछ दिखाई नहीं पड़ता!
?

पर उसे कुछ आवाजें सुनाई पड़ती हैं...
बांडार!
मानो अचानक सोया हुआ जंगल जाग जाता है.
फैं...टम!
हमने सुना कि तुम मारे गए?
मर ही गया था, शेरा और तूफान ने बचाया!
अच्छा हुआ कि मैं तुम्हें समय से मिल गया तुम वाम्बेसियों को खत्म करने जा रहे थे!
वहां के एक-एक आदमी को!
यह उनकी गलती नहीं! दोषी वह कुटिल नगाड़ा वादक है.
तो चलो, साथ चल कर उसे खत्म कर दें!
नहीं! तुम गांव घेर लो! मैं अकेला ही अंदर जाऊंगा!
वाम्बेसी में विजयोत्सव खत्म हो चुका था- लोग थक कर चूर हो गए थे...
नगाड़ावादक प्रसन्नता से अपना राज्य निहारता है-
दासो! मेरे निवास को ले चलो मुझे!
फैंटम बड़ी आसानी से खत्म हो गया. अब जंगल का शासक है टिम्बैनी का महान नगाड़ावादक!